Literacy for a Billion

Movie: Naya Zamana
Year: 1971

Song: Kitne Din Aankhe
Lyricist: Anand Bakshi

कितने दिन आँखें तरसेंगी
कितने दिन आँखें तरसेंगी
कितने दिन यूँ
दिल तरसेंगे
इक दिन तो
बादल बरसेंगे
ए मेरे प्यासे दिल
आज नहीं तो
कल महकेगी
ख़्वाबों की महफ़िल

कितने दिन आँखें तरसेंगी

सूने सूने से
मुरझाए से हैं क्यों
उम्मीदों के चेहरे
काँटों के सर पे ही
बाँधे जाएँगे
फूलों के सेहरे

सूने सूने से
मुरझाए से हैं क्यों
उम्मीदों के चेहरे
काँटों के सर पे ही
बाँधे जाएँगे
फूलों के सेहरे

नया ज़माना आएगा
नया ज़माना आएगा

कितने दिन ...

कितने दिन यूँ
दिल तरसेंगे
इक दिन तो
बादल बरसेंगे
ए मेरे प्यासे दिल
आज नहीं तो
कल महकेगी
ख़्वाबों की महफ़िल

आ ...
ओ ...

ज़िन्दगी पे सबका
एक सा हक़ है
सब तसलीम करेंगे
सारी ख़ुशियाँ
सारे दर्द बराबर
हम तक़सीम करेंगे

ज़िन्दगी पे सबका
एक सा हक़ है
सब तसलीम करेंगे
सारी ख़ुशियाँ
सारे दर्द बराबर
हम तक़सीम करेंगे

नया ज़माना आएगा

नया ज़माना आएगा

कितने दिन ...

कितने दिन यूँ
दिल तरसेंगे
इक दिन तो

बादल बरसेंगे
ए मेरे प्यासे दिल
आज नहीं तो
कल महकेगी
ख़्वाबों की महफ़िल

कितने दिन आँखें तरसेंगी

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.